प्रेरणा | नाबार्ड और प्रदान की पहल से थानमगांव बनेगा जैविक कृषि का केंद्र

आत्मनिर्भरता की राह-थानमगांव में वर्मी कम्पोस्ट यूनिट

मंडला 21 मई नभाप्र. जिले के निवास विकासखंड स्थित थानमगांव अब आत्मनिर्भरता और सतत विकास की ओर अग्रसर है। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक और प्रदान संस्था के संयुक्त प्रयासों से ग्राम में एक आधुनिक वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन इकाई की स्थापना की गई है। यह महत्वपूर्ण पहल न केवल क्षेत्र में सतत कृषि और जैविक खेती को बढ़ावा देगी, बल्कि ग्रामीण महिलाओं की आजीविका को भी सशक्त करने के साथ इनके लिए नए अवसर भी सृजित करेगी। यह पहल निश्चित रूप से क्षेत्र में एक सकारात्मक बदलाव लाएगी और अन्य गांवों को भी इसी प्रकार के स्थायी विकास मॉडल अपनाने के लिए प्रोत्साहित करेगी।

जानकारी अनुसार इस वर्मी कम्पोस्ट यूनिट की स्थापना का मुख्य ध्येय थानमगांव के ग्रामीणों को रासायनिक उर्वरकों पर अपनी निर्भरता कम करने और जैविक खाद के उत्पादन में आत्मनिर्भर बनने में सक्षम बनाना है। इस इकाई के माध्यम से ग्रामीण अब स्वयं ही उच्च गुणवत्ता वाली जैविक खाद का निर्माण कर सकेंगे, जिससे उनकी कृषि भूमि की उर्वरता में स्वाभाविक रूप से वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त, रासायनिक उर्वरकों के उपयोग में कमी आने से पर्यावरण का संरक्षण भी सुनिश्चित होगा और किसानों को खेती में आने वाली लागत को कम करके अधिक उत्पादन प्राप्त करने में सहायता मिलेगी। बताया गया कि इस परियोजना के अंतर्गत प्रदान संस्था द्वारा वाटरशेड ग्राम विकास समिति और स्थानीय महिला किसानों के साथ मिलकर लगातार तकनीकी मार्गदर्शन और सामुदायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन प्रशिक्षण सत्रों में ग्राम की महिलाओं को केंचुआ पालन की वैज्ञानिक विधियों, गोबर और अन्य जैविक अपशिष्टों के प्रभावी प्रबंधन और उच्च गुणवत्ता वाली वर्मी कम्पोस्ट बनाने की विस्तृत जानकारी प्रदान की जा रही है। इस कौशल विकास से न केवल महिलाएं सशक्त होंगी, बल्कि कृषि क्षेत्र में भी एक सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेगा।

अनूठी पहल से दूसरे के लिए बनेगा प्रेरणा स्त्रोत :- थानमगांव में स्थापित यह वर्मी कम्पोस्ट यूनिट न केवल जैविक कृषि को बढ़ावा दे रही है, बल्कि यह ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार प्राप्त करने और सामुदायिक नेतृत्व करने का भी एक सुनहरा अवसर प्रदान कर रही है। अपनी इस अनूठी पहल के साथ थानमगांव अब आसपास के अन्य गांवों के लिए भी एक प्रेरणा स्त्रोत बन रहा है, जो आत्मनिर्भरता और सतत विकास की ओर अग्रसर होना चाहते हैं। यह परियोजना नाबार्ड और प्रदान संस्था के सहयोगात्मक प्रयासों का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जो ग्रामीण विकास और पर्यावरण संरक्षण के लक्ष्यों को एक साथ साधने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

इनका कहना है

वर्मी कम्पोस्ट इकाई की स्थापना न केवल पर्यावरण संरक्षण के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि यह थानमगांव के ग्रामीण परिवारों की आय में भी उल्लेखनीय वृद्धि करने की क्षमता रखती है। नाबार्ड हमेशा से ही ऐसे नवोन्मेषी प्रयासों को बढ़ावा देता रहा है, जो ग्रामीण क्षेत्रों में सतत विकास को सुनिश्चित कर सकें। इसके साथ ही हम इस पहल को आगे जारी रखने का प्रयास करेंगे, जिससे महिला किसान आत्मनिर्भर हो सके।

देवव्रत पाल
डीडीएम, नाबार्ड

हम वाटरशेड ग्राम विकास समिति और यहां की मेहनती महिला किसानों के साथ मिलकर लगातार तकनीकी मार्गदर्शन और आवश्यक सामुदायिक प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। हमारा मुख्य उद्देश्य ग्राम की महिलाओं को इस वर्मी कम्पोस्ट यूनिट के माध्यम से केंचुआ पालन, गोबर और अन्य जैविक अपशिष्ट पदार्थों के कुशल प्रबंधन में दक्ष बनाना है। यह पहल कृषि क्षेत्र में स्थानीय किसानों के लिए एक नई दिशा और आत्मनिर्भरता के अवसर खोलेगी।

अनुरूद्ध शास्त्री
प्रदान संस्था

इस नई पहल से उत्साहित है, हमें पहली बार ऐसा महसूस हो रहा है कि हम महिलाएं भी मिलकर कुछ बड़ा और महत्वपूर्ण कार्य कर सकती हैं। अब हम अपने खेतों के लिए खुद की बनी हुई जैविक खाद का उपयोग कर पाएंगे, जिससे हमारी खेती की लागत भी काफी कम हो जाएगी और मिट्टी की सेहत भी सुधरेगी। हमारा यह प्रयास अन्य महिला किसानों को प्रोत्साहित करने के साथ उनका आत्मविश्वास भी बढ़ाएगा।

लालिया बाई
महिला किसान

बम्हनी सिलगी पुल का अस्तित्व खतरे में

अवैध रेत उत्खनन से नींव उजागर, आखिर कौन जिम्मेदार

पुल को बचाने कार्रवाई करने की मांग

बम्हनी बंजर। बम्हनी सिलगी पुल का अस्तित्व खतरे में है। पुल के नीचे लगातार हो रहे अवैध रेत उत्खनन के कारण इसका बेसमेंट नींव बाहर आ गया है, जिससे पुल की सुरक्षा पर गंभीर प्रश्नचिह्न लग गया है। हैरानी की बात यह है कि इस क्षेत्र में रेत खदान की कोई स्वीकृति नहीं है, फिर भी बड़े पैमाने पर अवैध निकासी जारी है। अवैध रेत उत्खनन की खबरें लगातार प्रकाशित होने के बावजूद, प्रशासन और संबंधित विभाग द्वारा कोई ठोस कार्रवाई न करना चिंताजनक है। स्थानीय लोगों ने इस गंभीर स्थिति के लिए खनन विभाग, पुलिस विभाग और बेखौफ रेत माफिया तीनों को ही जिम्मेदार बताया हैं।

बताया गया कि जनता की सुविधा के लिए करोड़ों की लागत से निर्मित यह पुल अब प्रशासन के ही कुछ अधिकारियों, कर्मचारियों की मिलीभगत और उदासीनता के कारण ध्वस्त होने की कगार पर है। जिस गति से रेत की निकासी हो रही है, यदि यह सिलसिला जारी रहा तो रेत कारोबार से जुड़े सभी लोग पैसा कमाकर निकल जाएंगे, और पीछे रह जाएगा एक क्षतिग्रस्त पुल। इसका सीधा खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ेगा, जिन्हें भविष्य में पुन: सरकार से पुल निर्माण के लिए गुहार लगानी पड़ेगी।

बताया गया कि यह स्थिति न केवल सरकारी धन के दुरुपयोग है, बल्कि सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा और प्रशासन की जवाबदेही पर भी गंभीर सवाल उठा रहा है। स्थानीय निवासियों ने तत्काल और प्रभावी कार्रवाई की मांग की है जिससे इस पुल को बचाया जा सके और अवैध उत्खनन पर पूर्ण विराम लगाया जा सके।

निवास में सेना के सम्मान में निकाली गई तिरंगा यात्रा

नगर हुआ राष्ट्रभक्ति से गुंजायमान

निवास। निवास क्षेत्र के समाजसेवियों और देशप्रेमियों द्वारा भारतीय सेना के अद्भुत शौर्य और सम्मान में भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। यह यात्रा बुधवार शाम पांच बजे राजा शंकर शाह कुंवर रघुनाथ शाह स्टेडियम से प्रारंभ हुई और बस स्टैंड, खेरमाई, पुरानी बस्ती सहित पूरे नगर का भ्रमण करने के बाद राजा शंकर शाह कुंवर रघुनाथ शाह तिराहे पर संपन्न हुई। यात्रा के दौरान नगर सेना के सम्मान में, हम सब मैदान में जैसे नारों से गुंजायमान हो उठा, जिससे नागरिकों में राष्ट्रभक्ति की अद्भुत झलक दिखाई दी। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाजसेवी, महिलाएं, युवा, प्रौढ़ और बुजुर्ग सहित समाज के हर वर्ग के नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। निवास पुलिस प्रशासन भी इस अवसर पर मौजूद रहा और व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग किया। यह तिरंगा यात्रा भारतीय सेना के प्रति नागरिकों के गहरे सम्मान और राष्ट्रप्रेम का प्रतीक बनी।

स्वास्थ्य सेवा, संचालित योजनाओं के प्रगति की समीक्षा

स्वास्थ्य कर्मचारियों को दिए निर्देश, नारायणगंज सीएचसी में मासिक समीक्षा बैठक आयोजित

मंडला. सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नारायणगंज में मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में परिवार कल्याण कार्यक्रम, किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम, मातृ स्वास्थ्य कार्यक्रम, शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रम, टीकाकरण कार्यक्रम समेत अन्य संचालित कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक में की गई। इसके साथ ही विगत माह आयोजित हुई बैठकों की भी समीक्षा और उसकी प्रगति की जानकारी ली गई। समीक्षा बैठक में नारायणगंज सीएचसी सीबीएमओ डॉ. अमृत लाल कोल, बीसीएम शैलेन्द्र सिंह, बीईई विजय मरावी, सीएचओ, एएनएम, सुपरवाईजर समेत सेक्टर के स्वास्थ्य कर्मचारी मौजूद रहे। आयोजित समीक्षा बैठक में सीबीएमओ डॉ. अमृत लाल कोल

ने उपस्थित सीएचओ, एएनएम, सुपरवाईजर को स्वास्थ्य सेवाओं अंतर्गत चल रही योजनाओं के क्रियान्वयन पर चर्चा करते हुए उनकी समीक्षा की गई। सभी उपस्थित कर्मचारियों से उनके द्वारा किये जा रहे कार्यो की जानकारी ली। संचालित कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए बीसीएम शैलेन्द्र सिंह ने कहां कि अनमोल एप में एएनसी पंजीयन करना अनिवार्य है, एएनसी की प्रथम त्रिमाही में एण्ट्री, एएनसी चौथी जांच की एण्ट्री अनमोल एप में करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उच्च जोखिम गर्भवती महिलाओं को उच्च स्वास्थ्य सेवाओं के लिए निर्देश दिए गए। इसके साथ ही एमडीआर, सीडीआर की जानकारी सभी उपस्थित कर्मचारियों से ली गई।

समीक्षा बैठक में घर में होने वाले प्रसव की जानकारी ली गई। इसके साथ ही वीएचएनडी सत्रों में औषधी एवं वैक्सीन की सूची मांगी गई। बैठक में सीबीएमओ ने सभी सीएचओ को निर्देशित करते हुए कहां कि ग्राम के गंभीर गर्भवती केस समय रहते उच्च स्वास्थ्य केन्द्र में रैफर करने के लिए निर्देशित किया। इसके साथ ही बाल मृत्यु की समीक्षा की गई। एसएनसीयू से डिस्चार्ज हुए गृह भेंट करने, आरबीएसके मोबाईल टीम द्वारा विद्यालयों में स्वास्थ्य परीक्षण नियमित रूप से करने के लिए निर्देशित किया गया। नारायणगंज सामुदायिक केन्द्र में आयोजित मासिक समीक्षा बैठक में सीबीएमओ डॉ. अमृत लाल कोल, बीसीएम शैलेन्द्र सिंह, बीईई विजय मरावी, फार्मासिस्ट कमलेश सिंह, नेत्र चिकित्सा सहायक जयकरण चौधरी, मलेरिया विभाग से आरसी जैन, टीबी विभाग से एसटीएस देवेन्द्र साहू, समेत सीएचओ, एएनएम, सुपरवाईजर समेत अन्य स्वास्थ्य कर्मचारी मौजूद रहे।

निवास, पिपरिया और आसपास के क्षेत्रों में तेज हवा-तूफान का कहर

कई पेड़ गिरे और घरों के उड़े छप्पर

निवास। बुधवार दोपहर करीब तीन बजे मौसम ने एक बार फिर करवट ली, जिससे निवास क्षेत्र के पिपरिया ग्राम सहित कुछ आस-पास के गाँवों में तेज हवा, तूफान और बारिश का सामना करना पड़ा। बताया गया है कि तूफान इतना भीषण था कि ग्राम के कई पेड़ धराशाई हो गए और अनेक घरों के छप्पर भी उड़ गए। लगभग आधे घंटे की इस बारिश से जनजीवन भी अस्त-व्यस्त हो गया। जानकारी के अनुसार पिपरिया ग्राम के दिनेश चक्रवर्ती के ईंट के भट्ठे पर एक बड़ा आम का पेड़ गिर गया। वहीं अमदरी मार्ग पर भी एक मकान के ऊपर का छप्पर उड़ गया। पिपरिया ग्राम में एक बैगा परिवार के मकान पर लिपटिस का पेड़ गिरने की भी सूचना मिली है, हालांकि गनीमत रही कि परिवार के सदस्य बाल-बाल बच गए। अन्य गाँवों में जंगलों में भी कई बड़े पेड़ धराशाई हुए हैं। इस घटना की जानकारी स्थानीय प्रशासन को दे दी गई है।

ट्राइबल के कर्मचारियों को मिलने वाला अतिरिक्त एचआरए गायब

ट्राइबल वेलफेयर टीचर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने अधिकारियों से लगाई गुहार

मंडला। ट्राइबल वेलफेयर विभाग के शिक्षक इन दिनों अपनी कई समस्याओं को लेकर परेशान हैं और संबंधित अधिकारियों से लगातार मुलाकात भी कर रहे हैं लेकिन समस्याएं खत्म नहीं हो रहीं हैं जहां एक और जनजातीय कार्य विभाग के माध्यमिक और उच्च माध्यमिक शिक्षक उच्च पद प्रभार की कार्यवाही न होने से दुखी हैं वहीं इंदौर संभाग में प्राथमिक शिक्षकों तक के उच्च पद की कार्यवाही पूर्ण नहीं हुई है। ट्राइबल वेलफेयर टीचर्स एसोसिएशन मप्र जहां एक ओर इन समस्याओं के निराकरण का प्रयास कर रहा है वहीं दूसरी ओर नई समस्याएं जन्म लेती जा रहीं है।

एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने प्रदेश अध्यक्ष डी

के सिंगौर की अगुवाई में ट्राइबल विभाग के अधिकारियों से लेकर वित्त विभाग के सचिव स्तर के अधिकारियों को अवगत कराया कि अनुसूचित क्षेत्र में पदस्थ कर्मचारियों को गृह भाड़ा भत्ता एक प्रतिशत अधिक देय था। लेकिन 3 अप्रैल 2025 के वित्त विभाग द्वारा जारी परिपत्र से वेतन पुनरीक्षण नियम 2017 के द्वारा गृह भाड़ा भत्ता की दरों में पुनरीक्षण होने के उपरांत अनुसूचित क्षेत्र में पदस्थ कर्मचारियों के गृह भाड़ा भत्ते की दरों को एक समान कर दिया है जबकि अनुसूचित क्षेत्रों में पदस्थ कर्मचारियों के गृह भाड़ा भत्ते में अनुपातिक वृद्धि की जानी थी। इसी प्रकार बिना कोई आदेश के अनुसूचित क्षेत्र भत्ता भी एक साल से मिलना बंद हो गया है। वित्त विभाग के प्रमुख सचिव हृदयेश श्रीवास्तव ने पदाधिकारियों से दोनों समस्याएं सुनी और निराकरण का आश्वासन दिया।

पदाधिकारियों ने आदि भवन, वल्लभ भवन और विकास भवन से लेकर पर्यावास भवन तक बहुत से संबंधित अधिकारियों से मुलाकात की और उनसे पंचायत सेवाकाल की ग्रेच्युटी का भुगतान, ऑनलाइन ट्रांसफर में आने वाली समस्याओं, उच्च पद प्रभार, वरिष्ठता सूची, अंतर्विभागीय पारस्परिक स्थानांतरण आदि मुद्दे मुख्य रूप से रखे गए। प्रतिनिधि मंडल में प्रांतीय महासचिव सुरेश यादव, प्रांतीय महासचिव शिरीन कुरैशी, संयुक्त सचिव अरुण सिंह कुशवाहा, खरगोन जिला अध्यक्ष अतीक खान और हीरानंद नरवरिया थे।

लघु वेतन कर्मचारी संघ मंडला की बैठक 25 को

मंडला। मध्यप्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ की जिला शाखा मंडला की बैठक 25 मई रविवार को दोपहर 12 बजे जेल घाट में आयोजित की गई है। संघ के अध्यक्ष मिश्रीलाल यादव ने बताया कि इस बैठक में समस्त कार्यकारिणी के पदाधिकारी, तहसील ब्लॉक अध्यक्ष, विभागीय अध्यक्ष और सदस्यगणों की उपस्थिति प्रार्थनीय है। संघ के सचिव मनोज अर्शिया और तहसील अध्यक्ष मंडला मनीष कटारे ने बताया कि बैठक में संघ के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की जाएगी, जिसमें रसीद बंदी, आय-व्यय का हिसाब और दैनिक वेतन भोगी, अंशकालीन व आउटसोर्स कर्मचारियों से संबंधित विषय प्रमुख होंगे।

प्रेरणा | हनी मैन के नाम से प्रसिद्ध है निशार कुरैशी, प्रदेश के कोने-कोने में पहुंचा रहे शहद की मिठास

मधुमक्खी संरक्षण के लिए बन गए हनी मेन

शहद से दिला रहे जिले को पहचान, वनांचल के लोगों को मिल रहा रोजगार

मंडला। शहद का नाम सुनते ही एक मिठास का एहसास होने लगता है। शहद में कई औषधीय गुण होते है, जो बेहद गुणकारी होने के साथ स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद भी है। विशेषज्ञ बताते है कि हनी बी माइंड में अपने घर का नक्शा बना लेती है, जो दिनभर परिश्रम करके सफल श्रमिक कहलाती है, पृथ्वी पर इनकी कई प्रकार की प्रजाति है, जिनमें कुछ प्रजातियां विलुप्त होती जा रही है। मधुमक्खियों का पर्यावरण में क्या योगदान है लोग अभी भी नहीं जानते है। विशेषज्ञों के अनुसार खेतों में अच्छे उत्पादन से लेकर फलों की ज्यादा आवक में भी मधुमक्खियों का योगदान होता है। इसलिए इनके छत्तों को जलाना नहीं चाहिए,

वर्तमान में युवा मधुमक्खी पालन करके अपनी आय भी बढ़ा सकते है। ऐसे ही कुछ युवा मंडला जिले में है, जो मधुमक्खी पालन से अपनी पहचान बनाई है।

जानकारी अनुसार जिले में मधुमक्खियों के संरक्षण के लिए विगत 28 वर्षो से कार्य कर रहे निशार कुरैशी की पहचान हनी मैन के नाम से हो गई है। निशार ने शहद शिकारियों को जागरूक करने का प्रयास किया है, जिसमें ये सफल भी हुए। निशार ने ग्रामीण अंचल के हनी हंटर्स को वैज्ञानिक पद्धती से शहद निकालने के गुर सिखाए है। जिससे मधुमक्खियों का जीवन भी बचा रहे और ग्रामीण लोगों की आय में वृद्धि हो सके। निशार कुरैशी के प्रयास से अब स्थानीय लोग शहद उत्पादन कर आत्मनिर्भर भी बन रहे है।

मंडला आदिवासी बाहुल्य जिला है। यहां की प्राकृति में अनमोल जड़ी, बूटियां उपलब्ध है। वहीं औषधी के रूप में उपयोग किए जाने वाले शहद का यहां परंपरागत तरीके से उत्पादन किया जाता रहा है, जिससे मधुमक्खियों का जीवन समाप्त हो रहा था। अब लोगों को जागरूक और वैज्ञानिक तरीकों की जानकारी उपलब्ध कराई है। पहले लोग शहद निकालने के लिए मधुमक्खी को जलाकर, धुंआ करके और वृक्षों की डाली काटकर मधुमक्खियों को मार देते थे। इन सबको देखते हुए जिले के निशार कुरैशी ने शहद शिकारियों को मधुमक्खी संरक्षण के लिए जागरूक किया। शिकारियों को वैज्ञानिक तरीके से शहद निकालने का प्रशिक्षण दिया। जिसके बाद से शहद शिकारी ही मधुमक्खियों के संरक्षक बन गए।

रोजगार से जुड़ रहे लोग

निशार कुरैशी पिछले 28 वर्षो से मधुमक्खी के संरक्षण के लिए कार्य कर रहे है। इन्होंने जिले में करीब दो सैकड़ा से अधिक लोगों को वैज्ञानिक तरीके से शहद निकालने के लिए प्रशिक्षित किया है। वहीं प्रदेश में करीब छह हजार से अधिक लोगों को वैज्ञानिक तरीके से शहद निकालने के लिए प्रशिक्षित कर चुके है। इन शिकारियों को प्रशिक्षित करने के साथ ये अब मधुमक्खी के सरंक्षक भी बन गए है, जिससे अब लोग एक छत्ते से एक से अधिक बार शहद का उत्पादन कर रोजगार से जुड़ रहे है। निशार ने एक कंपनी भी बनाई है, जिसमें लोगों से शहद खरीदकर कर स्थानीय बाजार में विक्रय के लिए देते है।

हेल्पलाईन-9713644800

शादियों के इस सीजन में हम लेकर आयें खुशियों का ऑफर...
मात्र 1,60,000/- में 500 व्यक्तियों का रिसेप्शन (डिनर)
पैकेज के साथ बारात स्वागत वेटर, स्टॉल चौपाटी, स्वीट्स (संपूर्ण भोजन व्यवस्था)
मात्र 2,40,000/- में 1000 व्यक्तियों का रिसेप्शन (डिनर)
इवेंट, डेकोरेशन, लॉन व अन्य सुविधाएँ अलग से
श्री ॐ केटर्स
शादी, पार्टी, जन्मदिन एवं अन्य सुअवसरों पर इवेंट एवं केटरिंग के आर्डर संपूर्ण व्यवस्था के साथ लिये जाते है.
सुरेन्द्र साहू, मयंक साहू
हमारा पता- श्री ओम रेस्टॉरेन्ट सेन्ट्रल बैंक के पास बिंझिया, मण्डला 9424713823, 7354741218

आँखों का अस्पताल MKऑप्टिकल्स शोरूम
मनोज परते
ऑप्टोमेट्रिस्ट (नेत्र सहायक)
• कम्प्यूटर द्वारा आँखों की जाँच, चश्मे का नम्बर
• मोतियाबिंद की जाँच एवं ऑपरेशन
• आँखों से संबंधित सभी रोगों का ईलाज
• पावर, धूप व फैंसी चश्में बनाये जाते है
डॉ. अरूण वर्मा
त्वचा, चर्म रोग एवं सौंदर्य विशेषज्ञ
पूरे शरीर में खुजली, चेहरे के दाग, गडढ़े का ईलाज एवं त्वचा का कालापन। मुंहासे/मुंहासे के दाग, चेहरे की झाईयां, दाग, दाद, मसा, सिहुआ, सफेद दाग आदि का ईलाज, बालों का झड़ना, गंजापन, बाल सफेद होना व रूसी आदि का ईलाज।
15 मई गुरूवार, 5 जून गुरूवार व 19 जून गुरूवार को प्रातः 11 से 3 बजे तक उपलब्ध रहेगें
जनपद पंचायत कॉम्पलेक्स, शॉप नं. 2 बिंझिया तिराहा, मण्डला Mob.8085143049

Kingfisher
Special Wedding Pakages
We Make Your Wedding Memorable
₹ 8,51,000*
- 30 कॉटेज+ लॉन + हॉल (दो दिन)
- 100 लोगों के लिए लंच एवं डिनर (पहले दिन)
- 100 लोगों के लिए ब्रेकफास्ट/लंच(दूसरे दिन)
- इवनिंग टी काउंटर (2 घंटे 100 लोगों के लिए)
- 250 लोगों के लिए डिनर (रिसेप्शन नाईट)
- डेकोरेशन (फ्लॉवर, गेट, स्टेज, मंडप)
- जनरेटर एवं टी.सी. कनेक्शन
₹ 5,21,000*
- 15 हॉटल रूम + हॉल + लॉन
- 300 लोगों के लिए लंच एवं डिनर
- 50 लोगों के लिए ब्रेकफास्ट (1 बार)
- 50 लोगों के लिए लंच (1 बार)
- डेकोरेशन (फ्लॉवर, गेट, स्टेज, मंडप)
- इवनिंग टी काउंटर (दो घंटे 100 लोगों के लिए)
9926938111, 8982262511, 9926203111, 9589397222 रायपुर रोड़, पौंड़ी महाराजपुर, मण्डला (म.प्र.)

प्रसिद्ध रेडियोलॉजिस्ट एवं मनोचिकित्सक अब कटरा हॉस्पिटल में
डॉ. प्रतिपाल राजपाली
एम.बी.बी.एस. एम.डी. (रेडियो-डायग्नोसिस)
कंसल्टेंट रेडियोलॉजिस्ट रजि नं.- एम.पी.10680
• गर्भावस्था से संबंधित सभी प्रकार की सोनोग्राफी (ऐनोमली डॉप्लर सहित)
• पेट एवं गर्भाशय से संबंधित सोनोग्राफी
• गर्दन, छाती, ब्रेस्ट, लिंग, ऑखों से संबंधित सोनोग्राफी
• सभी प्रकार की डॉप्लर सोनोग्राफी, शरीर में कहीं भी सूजन, गाँठ या इंफेक्शन से संबंधित
• शरीर के सारे ज्वाइंट की सोनोग्राफी, छाती में पेट से पानी निकालने की सुविधा
मनोचिकित्सक हर महीने के तीसरे रविवार को प्रातः 11 बजे से दोप. 3 बजे तक
KATRA HOSPITAL MANDLA
डॉ. रजनी चटर्जी
एम.डी. (फिजिक्ट्री)
मनोचिकित्सक
भोपाल मेमोरियल हॉस्पिटल
रजि नं.- एम.पी. 7908
पता- जबलपुर रोड, कटरा मंडला (म.प्र.)- 9424632443